

30/7/24

पतावली पेश हुई। अधिवक्ता प्राणों मय प्राणों मय।
रक्त-रक्त कर नीम-काट आवासे फिलवरी मरि। समस्त
सोम 5pm हो चुका है। अतः प्राणों मय अधिवक्ता
प्राणों के अनुपादित रहने पर प्राणों का प्राणियों-पत्र
अपम धपरी। अपम पेशी ने खारिद किता पाता है।
पतावली केसल शुक्रार होकर नकर से रक्त ही

विधि सुनाया गया।

